UPHIN/26/A3999

दैनिक लोकल लेंस

(Online News E-Paper) सोमवार, 22.06.2026 | पृष्ठ:4 वर्ष :07 अंक :01

70 की उम्र में 50 जैसा दिखें- प्रधानमंत्री

कोलकाता में मोदी बोले- योग इसमें मददगार, यह सबको जोड़ता हैय पीएम ने 5 आसन किए

कोलकाता, । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग को शांत और तनाव-मुक्त जीवन जीने में सहायक बताते हुए कहा है कि हमारा लक्ष्य 50 की उम्र में 30 साल से ज्यादा ऊर्जावान होने का होना चाहिए। बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर मुख्य समारोह का आयोजन रविवार को यहां के रेड रोड पर आयोजित किया गया, जिसकी अगुवाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। इस अवसर पर श्री मोदी कहा, ष्हम हेल्दी एजिंग (उम्र बढ़ने के साथ सेहतमंद रहने) के लिए योग की बात करते हैं,तो इसका मतलब है कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर सकते हैं कि उम्र बढ़ने से इंसान की क्षमता कम न हो।

योग इंसान को लगातार आगे बढ़ने और विकास करने में मदद कर सकता है।ष् उन्होंने कहा, ष्योग हमारे शरीर को लचीला बनाने में मदद करता है। यह हमारी ऊर्जा स्तर लेवल को बनाए रखता है। यह हमें शांत और तनाव-मुक्त जीवन जीने में भी मदद करता है। नियमित अभ्यास से योग हमें जीवन भर अपने शरीर और मन को समझने और सीखने वाला बनाता है।ष् उन्होंने कहा, ष्हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 40 की उम्र में हम 20 की उम्र की तुलना में ज्यादा लचीले हों। हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 50 की उम्र में हम 30 की उम्र की तुलना में ज्यादा ऊर्जावान हों।ष् पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बदलाव के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के तहत राज्य में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम को लेकर व्यापक इंतजाम और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी थी। श्री मोदी सुबह करीब 6.30 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और राज्यपाल आर.एन. रवि ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री के पहुंचने से पहले ही कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ जुटने लगी थी। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री के साथ इस कार्यक्रम में लगभग 30,000 से 35,000 लोगों के शामिल हुए। इस कार्यक्रम में श्री मोदी, श्री रवि और श्री अधिकारीअधिकारी के अलावा भाजपा के कई विधायक भी शामिल हुए। श्री मोदी शनिवार को कोलकाता पहुंचे थे और योग दिवस कार्यक्रम के लिए रेड रोड जाने से पहले प्रोटोकॉल के तहत लोक भवन में रुके थे। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अब सिर्फ हर साल मनाया जाने वाला एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा, ष्यह दुनिया का सबसे बड़ा उत्सव बन गया है। पूरा देश योग की महिमा में डूबा हुआ है। दुनिया एक-दूसरे से जुड़ रही है और यही योग की खूबसूरती है।ष् उन्होंने कहा, ष्मैं योग दिवस में शामिल होने के लिए पूरी दुनिया का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।ष् प्रधानमंत्री ने कोलकाता के लोगों का भी धन्यवाद किया और बंगाल की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ष्मैं कोलकाता को उसकी स्वच्छता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। योग दिवस पर बंगाल में रहना खास बात है। यह रामकृष्ण परमहंस देव की धरती है। यह विवेकानंद की धरती है जिन्होंने दुनिया को योग से परिचित कराया।ष् गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की शिक्षाओं का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि योग एकता और सामूहिक भलाई का प्रतीक है। उन्होंने कहा, ष्श्री रवींद्रनाथ का मानना था कि लोगों की पहचान अकेले रहने में नहीं, बल्कि एकजुट रहने से मिलने वाली संतुष्टि में है और यही योग की खूबसूरती है जो लोगों को जोड़ता है।ष् अंतराष्ट्रीय योग दिवस का इस साल की थीम श्योग और स्वस्थ बुढ़ापाश् पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बुढ़ापे को सकारात्मक नजरिए से देखा जाना चाहिए।

भारत की विरासत है योग

स्वस्थ शरीर स्वस्थ राष्ट्र का आधार-योगी

➢ पीएम मोदी ने योग को दिलाई वैश्विक पहचान

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग केवल 21 जून तक सीमित नहीं होना चाहिए।इसे जीवनशैली का हिस्सा बनानाहोगा। स्वस्थ शरीर स्वस्थ राष्ट्र का आधार है।भारतीय ऋषि परंपरा ने जो पर्व और उत्सव निर्धारित किए, उनके पीछे प्रकृति के साथ सामंजस्य का भाव रहा है। हमारी संस्कृति का उद्देश्य प्रकृति के साथ रहकर जीवन को संतुलित बनाना है। मुख्यमंत्री विश्व योग दिवस पर झांसी में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए।

श्योग फॉर हेल्दी एजिंगश् यानि स्वस्थ आयु के लिए योग थीम के तहत आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने आयुष विभाग की आयुष ई-पत्रिका का विमोचन किया।सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की परंपरा और विरासत को वैश्विक मान्यता दिलाने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के कारण आज 140 करोड़ भारतीय दुनिया में गौरव के साथ आगे बढ़ रहे हैं और विकसित भारत की संकल्पना को नई दिशा मिली है। प्रधानमंत्री स्वयं प्रत्येक वर्ष अलग-अलग राज्यों में जाकर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करते हैं।

हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम् अर्थात स्वस्थ शरीर ही सभी कर्तव्यों और पुरुषार्थों की साधना का माध्यम है। यदि शरीर स्वस्थ व निरोग नहीं होगा तो कोई भी व्यक्ति जीवन के किसी भी लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क वाला छात्र ही अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। स्वस्थ किसान खेती-किसानी में नई उपलब्धियां हासिल करेगा और समाज के लिए प्रेरणा बनेगा। स्वस्थ श्रमिक अपने परिश्रम से विकास और निर्माण की नई इबारत लिखेगा। स्वस्थ वैज्ञानिक देश को नए-नए अनुसंधान और उपलब्धियां प्रदान करेगा। स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ राष्ट्र का आधार बन सकता है।

संक्षिप्त समाचार

योग मन, शरीर और आत्मा को ऊर्जा देता है: अमित शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि योग मानवता के लिए भारत का अमूल्य उपहार है, जो समग्र कल्याण को पोषित करता है। शाह ने अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में योग अभ्यास करते हुए यह बात कही। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर जिले के मंसा कस्बे में आयोजित राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम में भाग लिया। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, योग मानवता के लिए भारत का अमूल्य उपहार है, जो मन, शरीर और आत्मा को ऊर्जा देकर समग्र कल्याण को पोषित करता है। मैंने अहमदाबाद में सार्वजनिक योग सत्र में भाग लेकर दुनिया भर में योग दिवस के उत्सव में शामिल लाखों लोगों के साथ सहभागिता की।

गुना में अनियंत्रित कंटेनर पुल से नीचे गिरा, ड्राइवर की जिंदा जलकर मौत

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में बड़ा हादसा हो गया। पुलिया की दीवार तोड़कर कंटेनर गिरने से ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गुना के चाचौड़ा थाना क्षेत्र में स्थित नेशनल हाईवे 46 पर रविवार सुबह लगभग 5 से 6 बजे के बीच बीनागंज बाईपास पर दर्दनाक हादसा हुआ। शिवपुरी-गुना की ओर से ब्यावरा-भोपाल की तरफजा रहा राजस्थान पासिंग एक कंटेनर अनियंत्रित होकर पुल की दीवार तोड़ते हुए नीचे जा गिरा। कंटेनर के पुलिया में गिरते ही उसमें भीषण आग लग गई।

आधुनिकता और परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव: राष्ट्रपति मुर्मू

जबलपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को युवाओं से अपनी पहचान और परंपरा की पवित्रता बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि आधुनिकता व परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव है। राष्ट्रपति मुर्मू, यहां रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती त्याग, परिश्रम और बलिदान की प्रतिमूर्ति थीं तथा नारी शक्ति के लिए प्रेरणा का प्रतीक हैं। रानी दुर्गावती के नाम पर विश्वविद्यालय का नाम रखा गया है। राष्ट्रपति ने कहा, श्विकास की दौड़ में जो लोग पीछे छूट गए हैं, उन्हें आगे लाना और मुख्यधारा से जोड़ना जरूरी है। हम सभी को मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि हमारे विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक विकास की प्रक्रिया में सहभागी बनने का अवसर मिले। उन्होंने कहा, विद्यालयों को अपनी पहचान और परंपरा को नहीं भूलना चाहिए। इसकी पवित्रता बनाए रखना जरूरी है। आधुनिकता और परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव है। मुर्मू ने जनजातीय समाज के लोगों में कौशल और ज्ञान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आधुनिकता के साथ विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति और परंपरा के प्रति भाव भी विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों से यही अपेक्षा की जाती है।

विश्व मंच पर 'भारत के योग' का डंका, न्यूयार्क से शंघाई तक उमड़ा जनसैलाब

नई दिल्ली। दुनिया भर में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अभूतपूर्व उत्साह के साथ मनाया गया। जहां भारत में मुख्य कार्यक्रम पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित हुआ, वहीं सरहदों के पार विदेशों में भी भारतीय संस्कृति की इस अनमोल धरोहर की गूंज सुनाई दी। इस वर्ष यह वैश्विक उत्सव %स्वस्थ आयु के लिए योग% की विशेष थीम पर केंद्रित रहा, जिसने हर उम्र के लोगों को एक्टिव और निरोगी जीवन जीने की राह दिखाई। विदेश मंत्रालय और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के साझा सहयोग से दुनिया भर में फैले 210 से अधिक भारतीय मिशनों और दूतावासों ने करीब 2,500 से अधिक ऐतिहासिक व सार्वजनिक स्थानों पर भव्य योग शिविरों का आयोजन किया। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा की उपस्थिति में प्रतिष्ठित लिंकन मेमोरियल पर भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों योग प्रेमियों ने भाग लिया। इस दौरान पारंपरिक आयुर्वेदिक पद्धतियों की जानकारी देने के लिए विशेष %आयुर्वेद कॉर्नर% भी बनाए गए थे। वहीं दूसरी ओर न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के सहयोग से दुनिया भर में प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर पर एक विशाल योग सभा का समन्वय किया गया। जहां सत्र का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग गुरु एच. आर. नागेंद्र ने किया। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा आईडीवाई 2026 सिर्फ़ योग तक ही सीमित नहीं था! पारंपरिक वेलनेस तरीकों को दिखाने वाले आयुर्वेद कॉर्नर से लेकर डुपॉन्ट सर्कल, वर्ल्ड बैंक और स्थानीय समुदायों के साथ हुए शुरुआती कार्यक्रमों तक - भारतीय दूतावास ने वॉशिंगटन डी.सी. के हर कोने में योग की भावना को पहुंचाया। इसके अलावा शंघाई से लेकर टोरंटो तक और अफ्रीका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक योग की धूम देखने को मिली। चीन के शंघाई में स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा वहां के प्रसिद्ध %बंड फाइनेंस सेंटर% (बीएफसी) में एक विशाल सत्र आयोजित किया गया। कनाडा के टोरंटो में ओंटारियो विधानसभा की ऐतिहासिक इमारत के सामने सामूहिक योग शिविर लगाया गया, जिसमें प्रवासी भारतीयों और विदेशी नागरिकों की भारी मौजूदगी रही। ब्रिटेन के बर्मिंघम स्थित विक्टोरिया स्क्वायर और यूरोप में जर्मनी तथा स्वीडन के दूतावासों ने भी विशाल खुले मैदानों में योग शिविरों के जरिए जन-जन को निरोग रहने का संदेश दिया। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स स्थित ओलंपिक पार्क में बड़े स्तर पर योग उत्सव आयोजित हुआ, जहां इस बार पहली बार दिव्यांगजनों के लिए विशेष योग सत्र और भारत के पारंपरिक व्यंजनों व वस्त्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं के अंतर को पाटते हुए संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाओं-अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रांसीसी, रूसी और स्पेनिश-में अनुवादित कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के जरिए दुनिया के अलग-अलग कोनों में बैठे लोगों ने एक सुर में योग व प्राणायाम का अभ्यास किया। विदेशी धरती पर उमड़ी यह भीड़ साफ बया कर रही है कि 'भारत का योग' अब केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि दुनिया भर के कार्यस्थलों और जीवनशैली का हिस्सा बनकर एक बड़ा वैश्विक %आरोग्य आंदोलन% बन चुका है।

रातभर जंतर-मंतर पर डटे रहे कॉकरोच, दिपके ने नीट अभ्यर्थियों से कहा, परीक्षा के बाद आ जाओ जंतर मंतर

नयी दिल्ली। नीट से जुड़े विवाद और कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर शुरू हुआ प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके अपने समर्थकों के साथ 20 जून से धरने पर बैठे हैं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि परीक्षा से जुड़े विवादों के कारण छात्रों के बीच गहरा अविश्वास पैदा हुआ है और सरकार को इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए जवाबदेही तय करनी चाहिए। रविवार को भी धरनास्थल पर समर्थकों की मौजूदगी बनी रही और आंदोलन को व्यापक बनाने की कोशिशें जारी रहीं। अभिजीत दिपके ने देशभर के लोगों से जंतर-मंतर पहुंचकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने विशेष रूप से उन छात्रों से भी समर्थन मांगा है, जो दोबारा आयोजित नीट परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। दिपके ने कहा कि परीक्षा पूरी करने के बाद छात्र इस आंदोलन का हिस्सा बनें और अपनी आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि आंदोलन को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसमर्थन जरूरी है। उनका कहना था कि कुछ लोग लगातार धरनास्थल पर डटे हुए हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी से ही सरकार तक प्रभावी संदेश पहुंचाया जा सकता है। प्रदर्शन के दौरान अभिजीत दिपके ने कहा कि यदि पुलिस कार्रवाई होती है

पीएम मोदी ने स्वदेश निर्मित तीन युद्धपोतों को नौसेना में किया शामिल

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर स्वदेश निर्मित तीन पोतों को रविवार को नौसेना में शामिल किया। स्वदेश निर्मित प्रथम पंक्ति के इन तीन पोतों- स्टील्थ फ्रिगेट दूनागिरि, बड़े सर्वेक्षण पोत संशोधक और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत अग्रय- से समुद्री युद्ध, जल सर्वेक्षण और पनडुब्बी रोधी युद्ध से जुड़ी नौसेना की अभियानगत क्षमताएं बढ़ेंगी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर. एन. रवि, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन समेत कई गणमान्य व्यक्ति पोतों को नौसेना में शामिल किए जाने के समारोह में शामिल हुए। इन पोतों का डिजाइन भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है और इनका निर्माण कोलकाता स्थित सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने किया है।

□ भारत का पाकिस्तान को करारा जवाब

विदेश मंत्रालय बोला-जिसका खुद का रिकॉर्ड खराब, उसे हमारे आंतरिक मामलों में बोलने का हक

नयी दिल्ली। भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी द्वारा भारतीय मुस्लिम धार्मिक स्थलों को लेकर दिए गए बयान पर बेहद सख्त प्रतिक्रिया दी है। भारत ने जरदारी की टिप्पणियों को सिरे से खारिज करते हुए इसे देश के आंतरिक मामलों में एक अनावश्यक और दुर्भावनापूर्ण हस्तक्षेप करार दिया है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि जिस देश का मानवाधिकारों का अपना रिकॉर्ड बेहद खराब और दागदार है, उसे दूसरों को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार देर रात एक कड़ा बयान जारी करते हुए कहा, भारत, पाकिस्तान के राष्ट्रपति द्वारा की गई इन अनावश्यक और बेबुनियाद टिप्पणियों को पूरी तरह से खारिज करता है। किसी भी परिस्थिति में पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तानी नेतृत्व पर हमला बोलते हुए आगे कहा कि मानवाधिकारों के मुद्दे पर पाकिस्तान की ओर से ऐसी टिप्पणियां आना बेहद हास्यास्पद हैं। पाकिस्तान का अपना मानवाधिकार रिकॉर्ड अत्यंत दयनीय रहा है, जो समय-समय पर वैश्विक स्तर पर आलोचना का विषय बनता रहता है। पाकिस्तान में विभिन्न धार्मिक अल्पसंख्यकों को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाने, उनका उत्पीड़न करने और उनके अधिकारों को कुचलने का एक लंबा और काला इतिहास रहा है।

मेरठ में तेज रफ्तार कार ने पुलिस जीप को मारी टक्कर, 7 पुलिसकर्मी घायल, चालक की हालत गंभीर

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में तेज रफ्तार एक इनोवा कार ने पुलिस की गश्ती जीप को टक्कर मार दी, जिससे सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शनिवार देर रात हुई इस दुर्घटना में दो पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने कार में सवार युवक को हिरासत में लिया जबकि उसके साथ की तलाश की जा रही है। पुलिस अधीक्षक (नगर) विनायक गोपाल भोसले ने मीडिया को बताया कि हादसा शनिवार रात करीब ढाई बजे दिल्ली रोड पर टीपी नगर गेट के सामने हुआ।

उन्होंने बताया कि उस समय ब्रह्मपुरी थाने की पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी। अधिकारी ने बताया कि हनुमान मंदिर के पास तेज गति से आ रही एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर पुलिस के गश्ती वाहन से टकरा गई। उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि वहां खड़ी पुलिसकर्मियों की मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई।

वोट देने के अधिकार को मिले मौलिक अधिकार का दर्जा: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने की जोरदार वकालत करते हुए रविवार को कहा कि यह कदम मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर) के तहत विभिन्न राज्यों में अत्यधिक संख्या में मतदाताओं के नाम हटाये जाने या उन्हें जानबूझकर अयोग्य ठहराये जाने के खिलाफ सुरक्षा कवच प्रदान करने में एक सशक्त कदम होगा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर काम कर रहे निर्वाचन आयोग के घोर पक्षपातपूर्ण कामकाज के पूरी तरह उजागर होने के बाद, अब समय आ गया है कि मतदान के अधिकार को एक मौलिक अधिकार का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि इससे इसे उच्चतम स्तर की न्यायिक समीक्षा और सुरक्षा मिल सकेगी। रमेश ने उल्लेख किया कि बीते शुक्रवार को ही उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों की पीठ ने संविधान के तहत फुटपाथ पर चलने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया है। उन्होंने याद दिलाया कि संविधान सभा ने सरदार पटेल की अध्यक्षता में मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों और जनजातीय एवं अपवर्जित क्षेत्रों पर एक सलाहकार समिति का गठन किया था। इक्कीस-22 अप्रैल 1947 को हुई इसकी बैठक में मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने पर तीखी बहस हुई थी, जिसमें डॉ. भीमराव आंबेडकर और बाबू जगजीवन राम ने इसके पक्ष में पुरजोर दलीलें दी थीं। रमेश ने कहा कि सरदार पटेल, सी. राजगोपालाचारी और कुछ अन्य नेताओं का मानना था कि यदि मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बना दिया गया, तो रियासतें भारतीय संघ में शामिल होने में झिझक सकती हैं, और संविधान में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रावधान करना ही काफी है। उन्होंने कहा, सरदार पटेल ने खुद यह रुख अपनाया था कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार अपने आप में एक अंतर्निहित मौलिक अधिकार है। यही अनुच्छेद 326 की पृष्ठभूमि है, जो सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनावों का प्रावधान करता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले सात दशकों से इस बात पर लगातार बहस चल रही है कि मतदान का अधिकार जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 द्वारा प्रदान किया गया एक वैधानिक अधिकार है या यह एक स्पष्ट मौलिक अधिकार है। रमेश ने रेखांकित किया, विभिन्न दृष्टिकोण व्यक्त किए गए हैं। मार्च 2023 के अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ के फैसले में (शीर्ष अदालत की पीठ में शामिल) न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी ने अपनी असहमति की राय में माना था कि मतदान का अधिकार एक मौलिक अधिकार है।